प्रतिभूति बाज़ार स्तर 2

निवेशक के दृष्टिकोण से उन्हें समझना

Non-Confidential

स्तर 1 - पुनरावलोकन

Non-Confidential

- बचत बनाम निवेश – निवेश, बचत की तुलना में धन को तेज़ी से बढ़ाता है।
- निष्क्रिय आय – वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण रास्ता।
- समय के साथ पैसे का मूल्य घटता है; निवेश से इस प्रभाव को मात दी जा सकती है।
- निवेश के लाभ – संपत्ति निर्माण, वित्तीय सुरक्षा और लक्ष्यों की पूर्ति में मदद करता है।
- विविधीकरण – जोखिम को कम करता है और लाभ को बढ़ाता है।
- चक्रवृद्धि का प्रभाव – छोटे निवेश समय के साथ काफी बढ़ जाते हैं।
- वित्तीय योजना – वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक संगठित दृष्टिकोण।

Non-Confidential

प्रतिभूति बाजार में निवेश की जानकारी

इक्विटी

शेयर, जो किसी कंपनी में स्वामित्व का प्रतिनिधित्व करते हैं।

निश्चित आय / बॉन्ड्स

इन्हें डिबेंचर या बॉन्ड भी कहा जाता है। ये वह धन होते हैं जो कंपनियाँ या संस्थान निवेशकों से उधार लेते हैं।

डेरिवेटिव्स

ऐसे वित्तीय उपकरण जो अन्य परिसंपत्तियों (जैसे शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी) के मूल्य से जुड़े होते हैं।

म्यूचुअल फंड्स

एक ऐसा उत्पाद जिसमें कई निवेशकों से धन एकत्र कर उसे विभिन्न प्रतिभूतियों जैसे शेयर, बॉन्ड, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स और अन्य परिसंपत्तियों में निवेश किया जाता है।

Non-Confidential

सिक्योरिटीज़ मार्केट में निवेश के मुख्य जोखिम

Non-Confidential

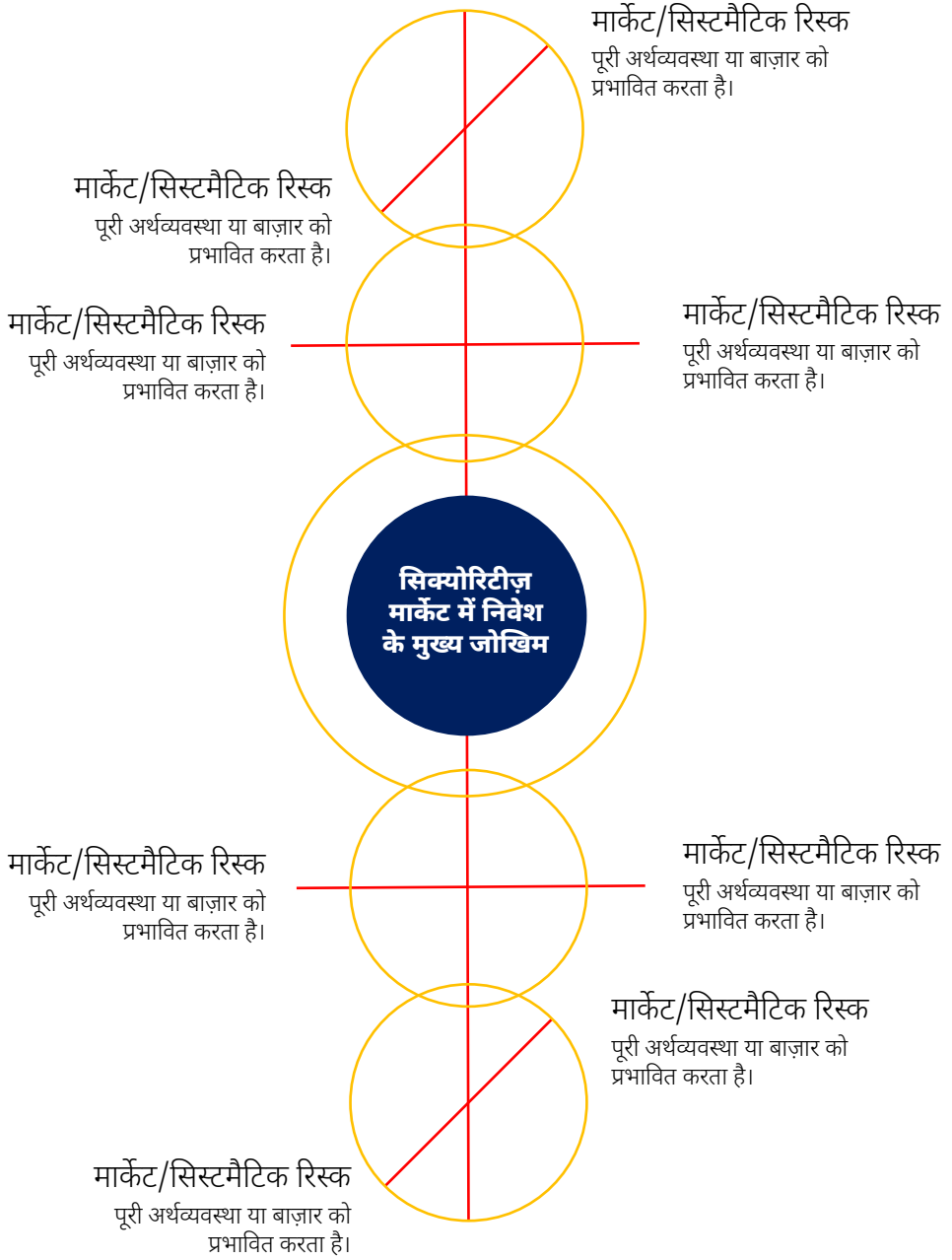

Non-Confidential

निवेश से पहले ध्यान देने योग्य प्रमुख बिंदु

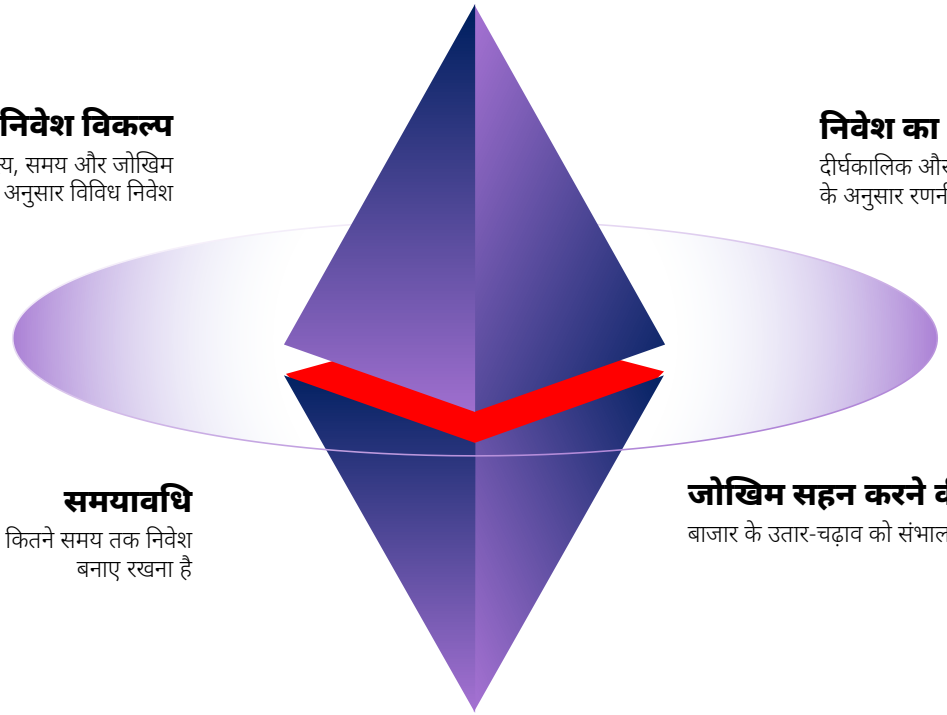

निवेश विकल्प
लक्ष्य, समय और जोखिम अनुसार विविध निवेश

निवेश का उद्देश्य
दीर्घकालिक और अल्पकालिक लक्ष्यों के अनुसार रणनीति

कर प्रभाव
कर नियम समझकर बेहतर रिटर्न पाना

तरलता
आपातकाल के लिए जल्दी नकदी में बदलना

समयावधि
कितने समय तक निवेश बनाए रखना है

जोखिम सहन करने की क्षमता
बाजार के उतार-चढ़ाव को संभालना

Non-Confidential

जोखिम को कम करना

निवेशक विभिन्न तरीकों से जोखिम को कम करने का प्रयास कर सकते हैं। मुख्य रणनीतियाँ शामिल हैं:

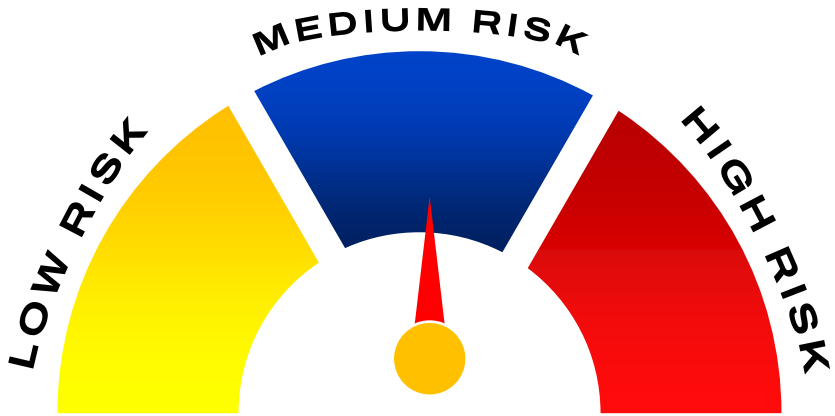

Non-Confidential

जोखिम को कम करना

निवेशक विभिन्न तरीकों से जोखिम को कम करने का प्रयास कर सकते हैं। मुख्य रणनीतियाँ शामिल हैं:

एसेट एलोकेशन: निवेश को लक्ष्यों, जोखिम और दृष्टिकोण के आधार पर विभिन्न एसेट क्लासेस में बाँटना।

विविधीकरण: जोखिम को कम करने के लिए निवेश को अलग-अलग संपत्तियों में फैलाना।

Non-Confidential

ट्रेडिंग बनाम निवेश

ट्रेडिंग

- अल्पकालिक फोकस, जिसका उद्देश्य बाजार के उतार-चढ़ाव से लाभ कमाना होता है।
- बार-बार बाजार में एक्सपोज़र होने के कारण उच्च जोखिम।

Vs

निवेश

- दीर्घकालिक फोकस, जिसका उद्देश्य पूंजी वृद्धि के माध्यम से धन का निर्माण करना होता है।
- कम जोखिम, क्योंकि यह अल्पकालिक अस्थिरता के प्रभाव को कम करता है।

Non-Confidential

ट्रेडर और निवेशकों की विशेषताएँ और मापदंड

ट्रेडर	मापदंड	निवेशक
त्वरित लाभ की तलाश करता है	उद्देश्य	धन संचय का लक्ष्य रखता है
अल्पकालिक	निवेश अवधि	दीर्घकालिक
निवेशकों की तुलना में अधिक जोखिम सहनशीलता	जोखिम सहनशीलता	स्थिर वृद्धि को प्राथमिकता देता है
लगातार बाजार की निगरानी करता है	समय की प्रतिबद्धता	कम बार समायोजन करता है
तकनीकी विश्लेषण करता है	विश्लेषण पद्धति	मौलिक विश्लेषण करता है

Non-Confidential

QUIZ TIME

स्थिति 1

- रोहित एक टेक कंपनी के शेयर खरीदता है और उम्मीद करता है कि एक सप्ताह के भीतर उनका मूल्य बढ़ेगा क्योंकि कंपनी एक नया उत्पाद लॉन्च करने वाली है।

उत्तर: रोहित एक स्विंग ट्रेडर है क्योंकि वह एक विशेष घटना के आधार पर अल्पकालिक लाभ की तलाश में है।

स्थिति 1

- मीना एक म्यूचुअल फंड में निवेश करती है जो NIFTY 50 को ट्रैक करता है, और वह इसे 10 साल तक अपने बच्चे की शिक्षा के लिए रखना चाहती है।

उत्तर: मीना एक दीर्घकालिक इंडेक्स निवेशक है, जो समय के साथ औसत बाजार रिटर्न पर ध्यान केंद्रित करती है।

स्थिति 1

- अनिल इंट्राडे ट्रेड करता है, यानी एक ही दिन में शेयर खरीदता और बेचता है ताकि छोटे मूल्य परिवर्तनों से लाभ कमा सके।

उत्तर: अनिल एक डे ट्रेडर है क्योंकि वह इंट्राडे ट्रेडिंग रणनीति अपनाता है।

Non-Confidential

QUIZ TIME

स्थिति 4

- सिमरन एक फार्मास्युटिकल कंपनी के शेयर खरीदती है जो अस्थायी समस्याओं के कारण कम मूल्य पर हैं, और वह उन्हें तब तक होल्ड करने की योजना बना रही है जब तक कंपनी ठीक न हो जाए।

उत्तर: सिमरन एक वैल्यू निवेशक है, जो मज़बूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों के कम मूल्य वाले शेयरों में निवेश करती है।

स्थिति 5

- विकास नियमित आय के लिए सरकारी बॉण्ड में निवेश करता है और योजना बनाता है कि रिटायरमेंट के लिए उस रिटर्न का उपयोग करेगा।

उत्तर: विकास एक इनकम निवेशक है, जो ब्याज भुगतान के माध्यम से नियमित आय पर ध्यान केंद्रित करता है।

Non-Confidential

म्यूचुअल फंड्स का परिचय

म्यूचुअल फंड कई निवेशकों से धन इकट्ठा करता है ताकि शेयर, बॉन्ड, मनी-मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स, अन्य प्रतिभूतियों या इनके संयोजन में निवेश किया जा सके।

SEBI के साथ पंजीकृत म्यूचुअल फंड अलग-अलग निवेशकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं:

- **संरक्षणवादी निवेशक:** कम जोखिम पसंद करते हैं।
- **मध्यम निवेशक:** कुछ जोखिम सहन कर सकते हैं।
- **आक्रामक निवेशक:** अधिक जोखिम लेकर उच्च रिटर्न चाहते हैं।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने के फायदे:

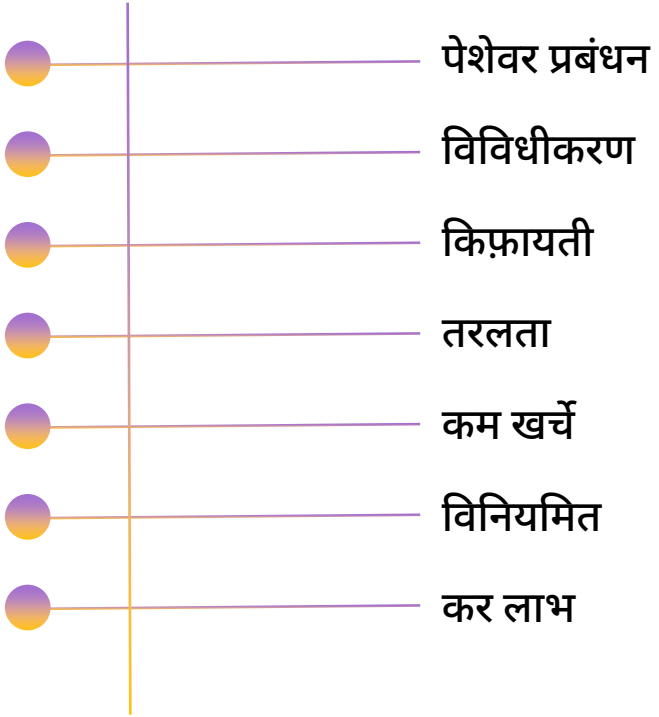

Non-Confidential

इंडेक्स फंड्स

- किसी इंडेक्स (जैसे, निफ्टी 50, सेंसेक्स) को ट्रैक करते हैं और उसके प्रदर्शन को दर्शाते हैं।
- कम प्रबंधन लागत, न्यूनतम सक्रिय ट्रेडिंग की आवश्यकता।
- एक ही निवेश से व्यापक बाजार का एक्सपोज़र मिलता है।
- लंबी अवधि के, कम लागत और ग्रोथ-केन्द्रित निवेशकों के लिए उपयुक्त।

Non-Confidential

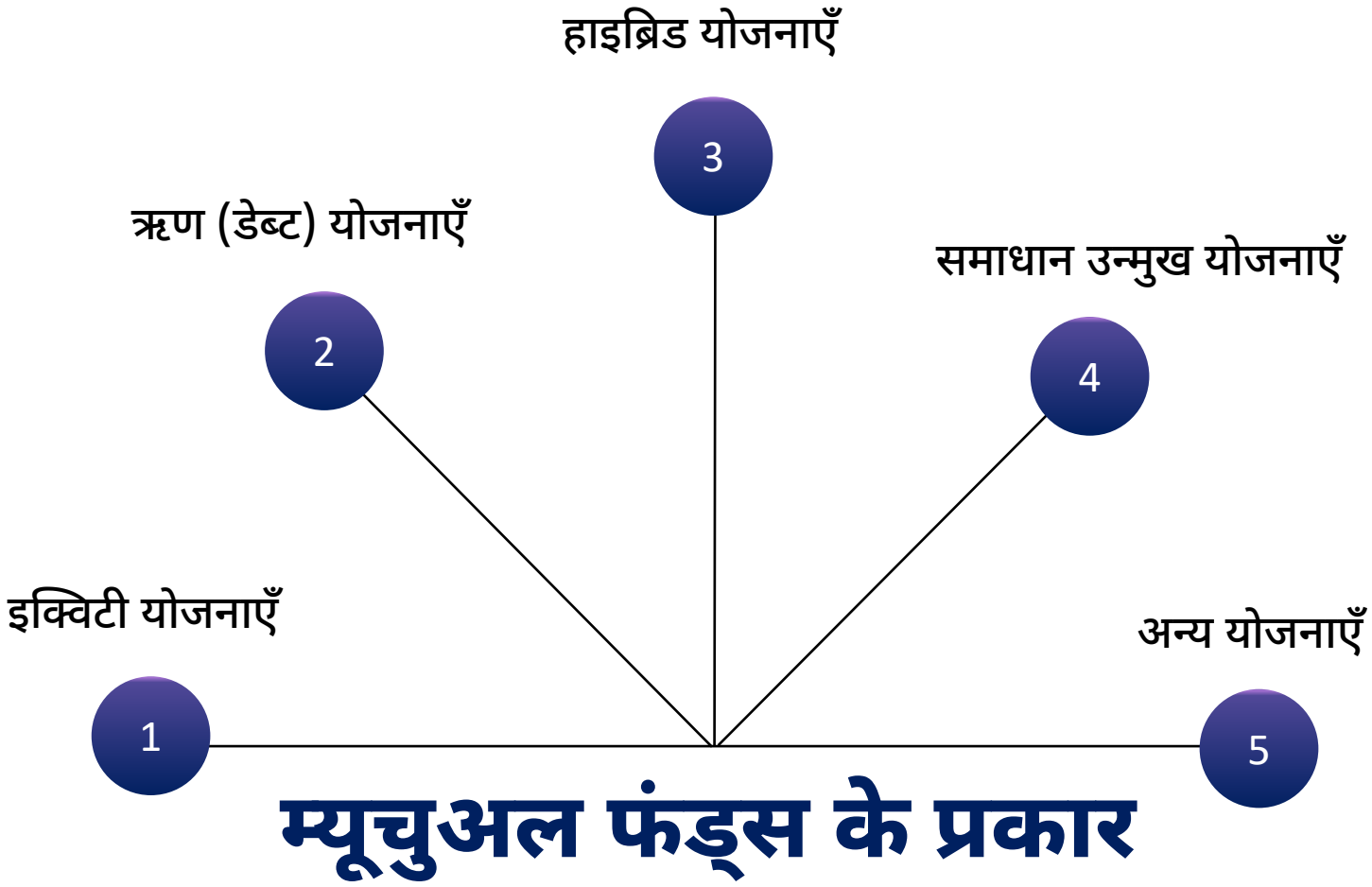

म्यूचुअल फंड्स के प्रकार

Non-Confidential

म्यूचुअल फंड में निवेश कैसे करें

Non-Confidential

म्यूचुअल फंड में निवेश कैसे करें

लम्पसम निवेश

एकमुश्त राशि का एक बार में निवेश, जो बाजार के अवसरों का तुरंत लाभ उठाने और लंबी अवधि में रिटर्न पाने में मदद करता है।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान

हर महीने एक निश्चित राशि निवेश कर सकते हैं, जिससे निवेश की आदत बनती है और बाजार की उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम होता है।

सिस्टमैटिक विदड्रॉअल प्लान

जोखिम और निवेश से मिलने वाले प्रतिफल के बीच का संबंध यह बताता है कि जितना अधिक प्रतिफल चाहिए, उतना अधिक जोखिम उठाना पड़ता है।

जोखिम और प्रतिफल का संबंध

जोखिम और निवेश से मिलने वाले प्रतिफल के बीच का संबंध यह बताता है कि जितना अधिक प्रतिफल चाहिए, उतना अधिक जोखिम उठाना पड़ता है।

Non-Confidential

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स

- परिभाषा: सूचकांक, कमोडिटी या परिसंपत्ति टोकरी को ट्रैक करते हैं।
- उद्देश्य: किसी विशेष सूचकांक (जैसे निफ्टी 50, सेंसेक्स 30) के रिटर्न को दोहराना, और उन्हीं अनुपातों में निवेश करना।
- व्यापार: शेयरों की तरह एक्सचेंज पर खरीदे और बेचे जाते हैं।

म्यूचुअल फंड की तुलना में फायदे:

- अधिक तरलता
- कम शुल्क
- आधारभूत सूचकांक

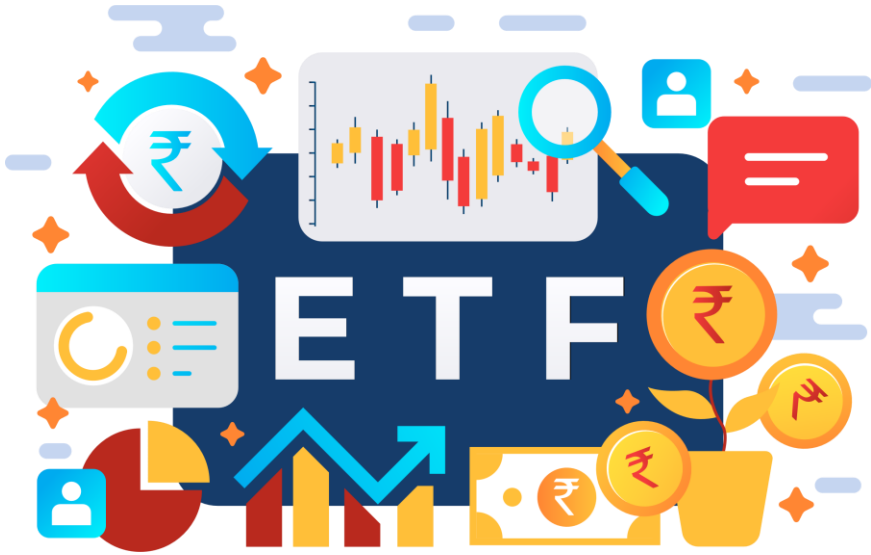

Non-Confidential

म्यूचुअल फंड श्रेणी अनुसार जोखिम/रिटर्न संतुलन

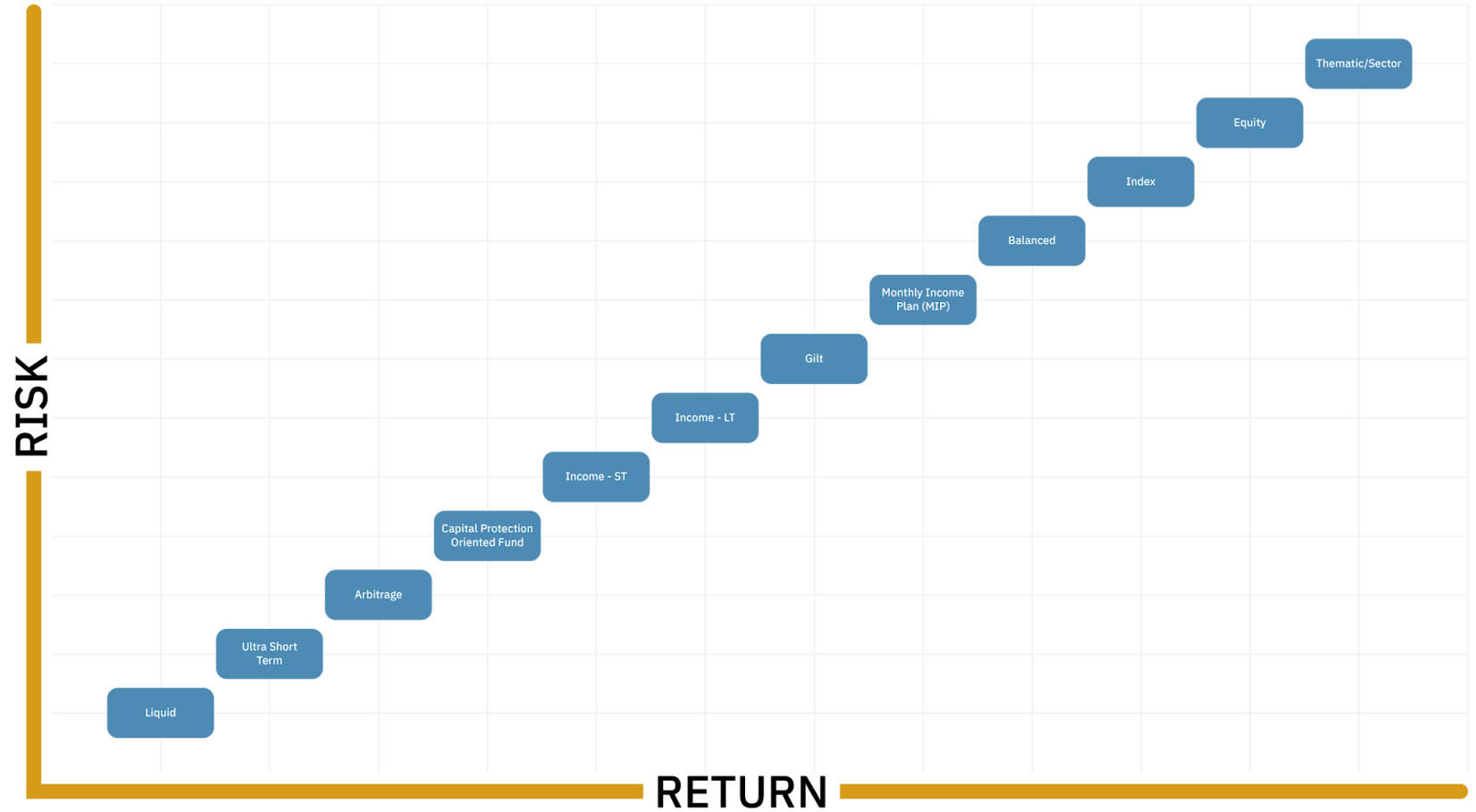

Non-Confidential

RISK meter

यह मूलधन (Principal) के जोखिम स्तर को दर्शाता है:

- कम, कम से मध्यम, मध्यम, मध्यम से उच्च, उच्च, बहुत उच्च।
- जोखिम-ओ-मीटर हर महीने अपडेट किया जाता है और फंड तथा AMFI वेबसाइट्स पर महीने के अंत के 10 दिनों के भीतर प्रकाशित किया जाता है।

Non-Confidential

आईपीओ (IPO): चर्चा का विषय

जब कोई निजी कंपनी पहली बार अपने शेयर जनता को उपलब्ध कराती है और एक सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी बन जाती है।

आईपीओ का उद्देश्य:

- विस्तार और वृद्धि के लिए पूंजी जुटाना।
- कंपनी की साख और सार्वजनिक छवि को बढ़ाना।
- शुरुआती निवेशकों और कर्मचारियों को तरलता प्रदान करना।

निवेशकों के अवसर:

- कंपनियों में शुरुआती निवेश के अवसरों तक पहुँच।
- निवेश पोर्टफोलियो का विविधीकरण।

Non-Confidential

QUIZ TIME

Q1 म्यूचुअल फंड क्या है?

A. बीमा का प्रकार

B. शेयरों, बॉण्ड्स या अन्य प्रतिभूतियों का संग्रह, जिसे एक प्रोफेशनल द्वारा प्रबंधित किया जाता है

C. एक बैंक बचत खाता

D. व्यक्तिगत ऋण

Q2 निम्नलिखित में से म्यूचुअल फंड में निवेश का क्या लाभ है?

A. बिना विविधता के उच्च जोखिम

B. प्रोफेशनल प्रबंधन और विविधता

C. सुनिश्चित रिटर्न

D. कोई बाजार जोखिम नहीं

Non-Confidential

निवेश के करने और न करने योग्य कार्य

Non-Confidential

क्या करें

- कंपनी/फंड की पूरी जानकारी लेकर ही निवेश करें।
- सलाहकार/एजेंट की साख की जाँच करें।
- केवल SEBI द्वारा अधिकृत प्रोडक्ट्स चुनें।
- पोर्टफोलियो में विविधता रखें।
- बाज़ार व आर्थिक समाचारों से अपडेट रहें।
- आधिकारिक चैनलों से निवेश करें।
- नए अवसरों में सावधानी रखें।
- निवेश की नियमित निगरानी करें।

क्या न करें

- दूसरों की कॉपी पोर्टफोलियो न बनाएं।
- डर, लालच या सोशल मीडिया हाइप में निर्णय न लें।
- जल्दी अमीर बनाने वाली स्कीमों पर भरोसा न करें।
- गारंटी या अवास्तविक दावों पर यकीन न करें।
- अप्रमाणित सलाहकारों/इन्फ्लुएंसर्स पर भरोसा न करें।
- अनधिकृत प्रोडक्ट्स में निवेश न करें।

Non-Confidential

निवेशकों और ट्रेडर्स के प्रकार

1. मूल्य आधारित निवेशक
2. विकास आधारित निवेशक
3. आय आधारित निवेशक
4. सूचकांक निवेशक

1. डे ट्रेडर्स – एकदिवसीय सौदे
2. स्विंग ट्रेडर्स – मध्यम अवधि
3. स्कैल्पर्स - त्वरित छोटे सौदे
4. पोजिशन ट्रेडर्स - दीर्घकालिक

Non-Confidential

QUIZ TIME

Q1 म्यूचुअल फंड क्या है?

A. बीमा का प्रकार

B. शेयरों, बॉण्ड्स या अन्य प्रतिभूतियों का संग्रह, जिसे एक प्रोफेशनल द्वारा प्रबंधित किया जाता है

C. एक बैंक बचत खाता

D. व्यक्तिगत ऋण

Q2 निम्नलिखित में से म्यूचुअल फंड में निवेश का क्या लाभ है?

A. बिना विविधता के उच्च जोखिम

B. प्रोफेशनल प्रबंधन और विविधता

C. सुनिश्चित रिटर्न

D. कोई बाजार जोखिम नहीं

Non-Confidential

डिमैट और ट्रेडिंग खाता

एक ट्रेडिंग खाता एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो व्यक्तियों को स्टॉक्स और बॉन्ड्स जैसी वित्तीय प्रतिभूतियों को खरीदने और बेचने की अनुमति देता है, और यह वित्तीय बाजारों में ट्रेड करने के लिए आवश्यक होता है।

जोखिम कम, निवेश अधिक सुरक्षित

कम खर्च में बेहतर सुविधा

तेज़ और आसान लेनदेन

निवेश पर सरल नज़र रखे

एक खाते में कई निवेश

Non-Confidential

डीमैट अकाउंट कैसे खोलें

Non-Confidential

डीमैट अकाउंट कैसे खोलें

01 एक डिपॉज़िटरी प्रतिभागी (DP) चुनें।

02 आवेदन पत्र, पैन कार्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेज़ जमा करें।

03 डीपी द्वारा आपके केवाईसी (KYC) विवरण की जाँच और आपके आवेदन की स्वीकृति की प्रतीक्षा करें।

04 डीमैट अकाउंट तक पहुँचने के लिए खाता संख्या और पासवर्ड प्राप्त करें।

Non-Confidential

खाता खोलने के लिए सावधानियाँ

Non-Confidential

खाता खोलने के लिए सावधानियाँ

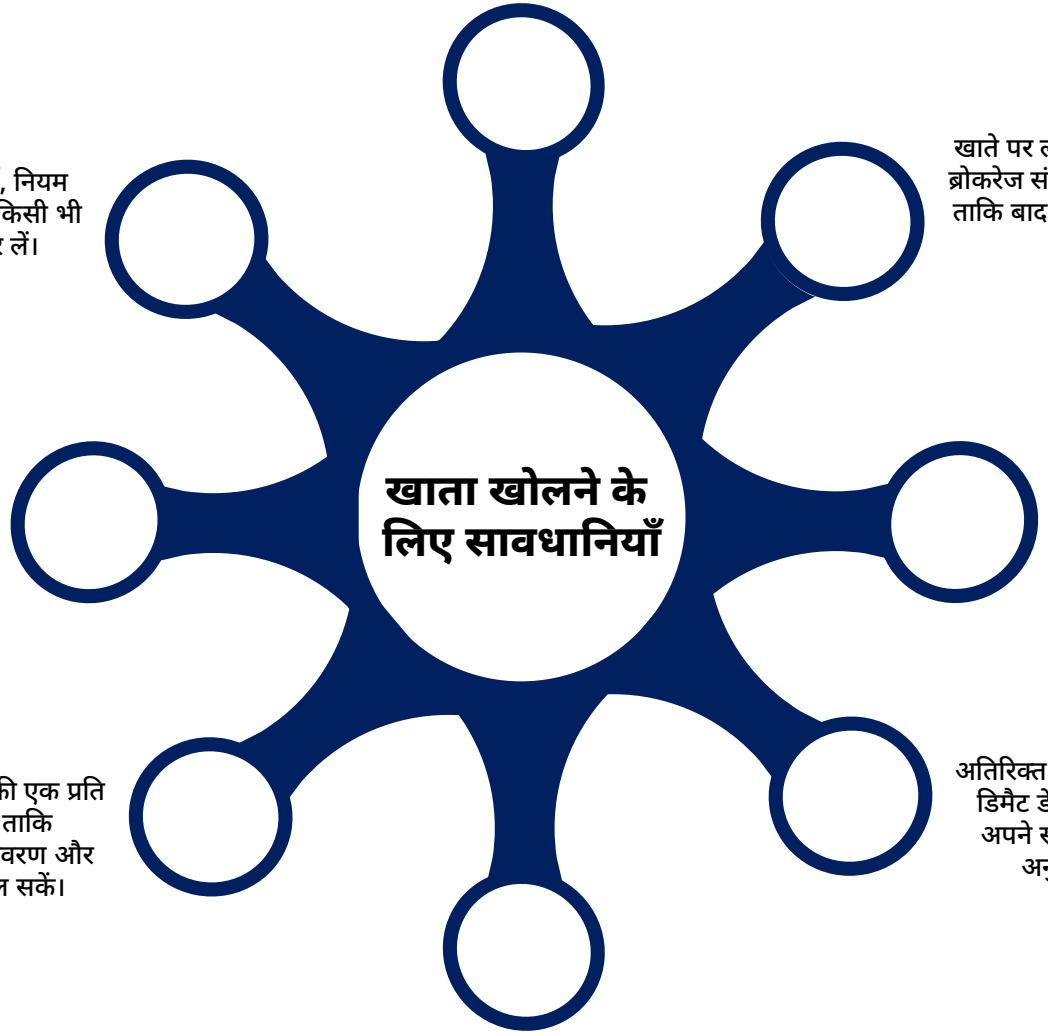

- खाता खोलते समय हस्ताक्षर करें और अपनी ट्रेडिंग सेगमेंट प्राथमिकताएँ स्पष्ट रूप से बताएं जैसे कैश, F&O, करेंसी और डेरिवेटिव्स।
- खाते पर लागू सभी शुल्क, फीस और ब्रोकरेज संरचना को ध्यानपूर्वक समझें ताकि बाद में कोई आर्थिक आश्चर्य या समस्या न हो।
- डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग करने से पहले उत्पाद और उससे जुड़े जोखिमों को गहराई से समझें, क्योंकि इसमें उच्च अस्थिरता और जटिलताएँ शामिल होती हैं।
- अतिरिक्त सुविधाओं जैसे रनिंग अकाउंट, डिमैट डेबिट और प्लेज इंस्ट्रक्शन हेतु अपने स्टॉक ब्रोकर को लिखित स्पष्ट अनुमति अवश्य प्रदान करें।
- अपने ईमेल और मोबाइल नंबर सही दर्ज करें ताकि सभी अपडेट, सूचनाएँ और महत्वपूर्ण लेन-देन संबंधी संदेश समय पर प्राप्त हों।
- खाता खोलने वाले फॉर्म की एक प्रति हमेशा सुरक्षित रखें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर विवरण और संदर्भ आसानी से मिल सकें।
- खाता खोलते समय प्रस्तुत सभी दस्तावेज़ सही, स्पष्ट और अद्यतन हों, ताकि किसी भी सत्यापन या अनुपालन में समस्या न हो।
- खाता खोलने से पूर्व सभी शर्तें, नियम और नीतियाँ ध्यान से पढ़ें तथा किसी भी संदेह को पहले ही स्पष्ट कर लें।

Non-Confidential

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)

SEBI **भारत में प्रतिभूति बाज़ार का नियामक है, जिसकी स्थापना** 1992 **में निवेशकों के हितों की रक्षा हेतु की गई थी।**

मुख्य कार्य:

- विनियमन
- पर्यवेक्षण
- निवेशक संरक्षण
- बाज़ार विकास

SEBI https://www.sebi.gov.in/

- निष्पक्ष ट्रेडिंग प्रथाओं को सुनिश्चित करता है।
- धोखाधड़ी वाली गतिविधियों और घोटालों से सुरक्षा प्रदान करता है।
- सुरक्षित निवेश हेतु दिशा-निर्देश उपलब्ध कराता है।

Non-Confidential

डबल रिटर्न के झांसे में आकर आपका डबल नुकसान हो सकता है। सुनो सिर्फ SEBI-registered advisors की, और भुगतान भी सिर्फ SEBI-verified UPI IDs पर करो।

CLICK TO PLAY

Non-Confidential

नकली ऐप्स असली जैसे ही लगते हैं, और जोखिम भी असली ही होता है। SEBI की साइट पर सत्यापित ऐप्स की सूची देखें और केवल उन्हीं को डाउनलोड करें।

CLICK TO PLAY

Non-Confidential

मुस्कुराता हुआ हर चेहरा असली नहीं होता। डीपफेक वीडियोज़ से सावधान रहें– निवेश की जानकारी सिर्फ SEBI-अधिकृत स्रोतों से ही लें।

CLICK TO PLAY

Non-Confidential

पहले पहचानो ठगों को, वरना वे पहचान लेंगे आपको!

- ऐसे रज़मर्रा के तरीकों को पहचानकर आप अपने निवेश को सुरक्षित रख सकते हैं।
- राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा निवेशक सुरक्षा के हित में जारी।

पहले पहचानो ठगों को, वरना वे पहचान लेंगे आपको!

१ विदेशी पोर्टफोलियो

ठग झूठे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं जो यह दावा करते हैं कि वे रजिस्टर्ड विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) से जुड़े हुए हैं। ये प्लेटफॉर्म इस बहाने से निवेशकों को गुमराह करते हैं कि वे उन्हें FPI या विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) के माध्यम से ट्रेडिंग के विशेष अवसर दे रहे हैं – जैसे उप-खाते या विशेष सुविधाओं वाले संस्थागत खाते।

२ फेक ट्रेडिंग ऐप्स

ठग बिना रेगुलेशन वाले ट्रेडिंग ऐप्स भेजते हैं जो असली जैसे दिखते हैं, ताकि निवेशक अपने खाता विवरण साझा कर दें। इन ऐप्स की 'APK' फाइलें सोशल मीडिया के जरिए भेजी जाती हैं और ये आधिकारिक स्रोतों पर उपलब्ध नहीं होतीं। **कभी भी अनजान फाइलें डाउनलोड न करें**, चाहे वह दोस्तों या आपके डिवाइस में सेव किसी संपर्क द्वारा भेजी गई हो।

३ सोशल/मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के ज़रिए अपंजीकृत निवेश सलाह

'मेरे चैनल को फॉलो करें"और **'मेरे चैट ग्रुप में जुड़ें"**जैसी बातें सबसे बड़े लाल झंडे हैं जिन्हें पहचानना ज़रूरी है! SEBI-पंजीकृत स्टॉकब्रोकर कभी भी टिप्स या किसी भी प्रकार की चैट ग्रुप सलाह नहीं देते। ऐसे निवेशकों की रसीदें या सलाह जिनका दावा है कि उन्होंने एक्सपर्ट सलाह पाकर मुनाफा कमाया – वे सभी झूठे और आपको फंसाने के लिए बनाए गए होते हैं।

Non-Confidential

पहले पहचानो ठगों को, वरना वे पहचान लेंगे आपको!

4 इन्फ्लुएंसर्स/लोकप्रिय हस्तियों के डीपफेक वीडियो

सेलिब्रिटी, सार्वजनिक हस्तियों, प्रोफेसरों, चीफ एनालिस्ट्स, प्रतिष्ठित लोगों, सरकारी प्रतीकों और प्रसिद्ध संस्थाओं के चेहरों का उपयोग करके नकली वीडियो बनाए जाते हैं, ताकि निवेशकों को उनकी सिफारिशों पर यकीन दिलाया जा सके। कभी भी अपुष्ट दावों और प्रोफाइल्स पर भरोसा न करें। AI के तेजी से बढ़ते दौर में, किसी भी चीज़ को उसके दिखावे पर न लें।

5 ओपिनियन ट्रेडिंग

ओपिनियन ट्रेडिंग घोटालों में निवेशकों को इस प्रकार गुमराह किया जाता है कि वे वास्तविक सिक्योरिटीज के बिना भी ट्रेडिंग का भ्रम पाले रहते हैं। ये प्लेटफॉर्म स्टॉक मार्केट की तरह दिखते हैं लेकिन SEBI के नियमों से बाहर होते हैं – जिससे निवेशकों को ज़्यादा जोखिम और कोई कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती।

6 अच्छे डिजिटल अभ्यास

पंजीकृत स्टॉकब्रोकर कभी भी आपकी लॉगिन आईडी और पासवर्ड नहीं मांगते। अगर आप अपने अकाउंट की जानकारी किसी को देते हैं, तो वह सीधे आपके फंड्स तक पहुंच बना लेता है। इससे आपका अकाउंट खाली हो सकता है और रिकवरी की कोई संभावना नहीं बचती। अपने पासवर्ड समय-समय पर बदलते रहें और अपनी लॉगिन जानकारी कभी भी किसी के साथ साझा न करें।

Non-Confidential

पहले पहचानो ठगों को, वरना वे पहचान लेंगे आपको!

7 गैरंटीशुदा रिटर्न वाला पेड ट्रेडिंग कोर्स

फ्री या पेड ट्रेडिंग कोर्स के नाम पर दी जा रही स्टॉक टिप्स या निवेश सलाह के झांसे में न आएं। “पक्का मुनाफा होगा” जैसे वादों पर यकीन न करें — कोई भी ऐसा वादा नहीं कर सकता। ठग अक्सर नकली सक्सेस स्टोरीज़ और चकाचौंध वाले विज्ञापनों से लोगों को फंसाते हैं। अगर कोई मुनाफा गारंटी देता है, तो समझ लीजिए खतरे की घंटी बज चुकी है — दूर रहें! ये लोग खुद को SEBI-पंजीकृत ब्रोकर भी बताते हैं और दावा करते हैं कि उन्होंने भारी मुनाफा कमाया है। अगर वे आपके लिए ट्रेड करने का ऑफर देते हैं और कहते हैं — “गारंटीड”, “५X”, “१०X”, या यहां तक कि “१००X रिटर्न्स” — तो यह स्कैम है!

8 पंप एंड डंप स्कैम

हाईप के झांसे में न आएं। यह एक धोखाधड़ी वाली मार्केट तकनीक है, जिससे निवेशकों को बड़ा नुकसान हो सकता है। ठग पहले किसी स्टॉक को बड़ी मात्रा में खरीदते हैं और फिर उसकी कीमत को फेक न्यूज या प्रचार से बढ़ाते हैं। जब कीमतें ऊपर जाती हैं, तो वे स्टॉक्स को बेच देते हैं, जिससे कीमतें क्रैश हो जाती हैं।

9 डब्बा ट्रेडिंग

डब्बा ट्रेडिंग एक अवैध तरीका है जिसमें मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के प्राइस तो दिखाए जाते हैं, लेकिन आपकी ट्रेड असल में स्टॉक एक्सचेंज सिस्टम में दर्ज ही नहीं होती — सिर्फ ऑपरेटर की किताबों में दर्ज होती है। स्टॉक एक्सचेंज से बाहर अनरजिस्टर्ड माध्यमों से ट्रेड करना गैरकानूनी है। ऐसे लेन-देन पर न तो कोई मुआवज़ा मिलेगा और न ही कोई कानूनी सहायता। हमेशा SEBI-पंजीकृत माध्यमों के साथ ही ट्रेड करें।

Non-Confidential

आप अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं?

१ आप अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं?

- गारंटीड या फिक्स्ड रिटर्न के लालच में न आएं।
- सिक्योरिटी मार्केट में गारंटीड रिटर्न अवैध हैं। किसी भी ऑफर को उसके दिखावे के आधार पर न स्वीकारें।
- अंजान स्रोतों से आए मैसेज से सावधान रहें।
- SEBI, NSE या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से खबरों की पुष्टि करें।
- गैर-मान्यता प्राप्त ट्रेडिंग ऐप्स डाउनलोड न करें और न ही किसी चैट ग्रुप से निवेश सलाह लें।
- केवल SEBI रजिस्टर्ड इंटरमीडियरीज़ के साथ ही लेन-देन करें।
- डिटेल्स चेक करें: https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?doRecognised=yes
- केवल SEBI पंजीकृत ट्रेडिंग ऐप्स को ही डाउनलोड करें (App Store या Google से)।
- जानकारी जांचें: https://investor.sebi.gov.in/Investor-support.html
- फंड ट्रांसफर केवल पंजीकृत क्लाइंट बैंक अकाउंट्स में ही करें।
- बैंक खातों की पुष्टि करें: https://enit.nseindia.com/MemDirWeb/form/tradingMemberLocator_beta.jsp
- १ अक्टूबर २०२५ से, SEBI ने Structured UPI फीचर लागू किया है जिसमें “thumbs-up” आइकन और SEBI चेक शामिल है — ताकि आप केवल रजिस्टर्ड इंटरमीडियरीज़ को ही भुगतान करें।
- उदाहरण: abc.brk@validbank
- किसी भी धोखाधड़ी की रिपोर्ट करें: www.cybercrime.gov.in या कॉल करें १९३०
- निवेशक सहायता के लिए कॉल करें: १८०० २६६ ००५०

Non-Confidential

एक गलत UPI भुगतान आपकी बचत को ख़त्म कर सकता है। SEBI ने ब्रोकर्स, म्यूचुअल फंड और दूसरे इंटरमीडियरीज़ के लिए वैलिडेटेड UPI हैंडल और SEBI चेक फंक्शनैलिटी शुरू की है।

CLICK TO PLAY

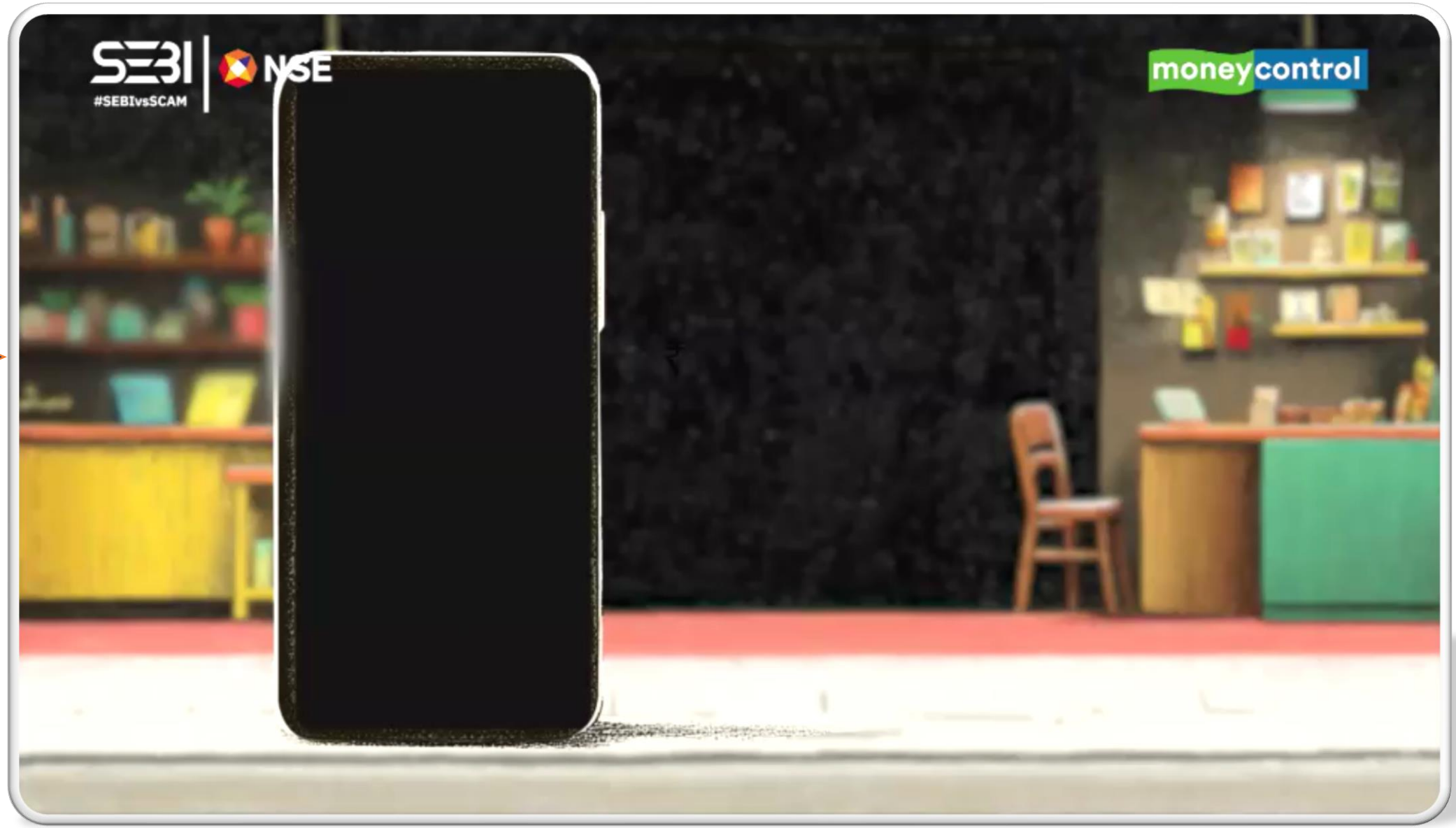

Non-Confidential

पूंजी बाजारों में उभरते खतरे

Whaling

Targeted attacks on C-suite executives and senior leadership to gain access to sensitive information

Ransomware

Malicious software that encrypts critical data, demanding payment for restoration of access

Account Takeover (ATO)

Cyber criminals / Hackers access employees financial accounts through weak passwords, social engineering, or system vulnerabilities.

Smishing & Vishing

SMS and voice call scams exploiting trust to extract sensitive information or credentials

Phishing Attacks

Deceptive emails designed to steal credentials, deploy malware, or trick employees into fraudulent transfers

Social Engineering

Attackers manipulate individuals into divulging confidential information or performing actions that compromise security, such as transferring funds or providing sensitive data.

Non-Confidential

F&O में ट्रेडिंग करते समय उचित सावधानी बरतें

Trading in financial contracts like derivatives requires expertise

Understand the risks and only then trade in derivatives

Similarly, trade in options only if you have relevant trading experience and high-risk tolerance

Different investment avenues carry varying levels of risk and expertise. Choose your strategy after careful deliberation

In case of any issues / concerns, contact your Stockbroker. If you are not satisfied or do not receive any response, contact the Exchange on ignse@nse.co.in or 1800 266 0050

Non-Confidential

सिक्योरिटीज मार्केट में AML & CFT दिशा-निर्देश

- SEBI ने इंटरमीडियरीज़ के लिए अनिवार्य किया है कि वे मनी लॉन्ड्रिंग रोधी (AML) और आतंकवाद के वित्तपोषण की रोकथाम (CFT) से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करें।
- निवेशक की ज़िम्मेदारियाँ और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है।
- निवेशकों को क्लाइंट ड्यू डिलिजेंस (CDD) प्रक्रिया से गुजरना आवश्यक है, जिसमें पहचान सत्यापन, लाभकारी स्वामित्व की जानकारी देना, और अपनी व्यक्तिगत व वित्तीय जानकारी को समय-समय पर अपडेट करना शामिल है।
- गुमनाम या फर्जी खातों से बचें। उच्च जोखिम वाले ग्राहक (जैसे राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति, NGO, विदेशी निवेशक) के लिए अधिक जांच और सतर्कता आवश्यक है।
- निवेशकों को जोखिमों की जानकारी होनी चाहिए और उन्हें इंटरमीडियरीज़ के साथ ऑनबोर्डिंग और ट्रांजैक्शन के दौरान सहयोग करना चाहिए।
- निवेशकों को सटीक और पूर्ण KYC दस्तावेज़ प्रस्तुत करने अनिवार्य हैं।
- लेन-देन की संदिग्ध गतिविधियों के लिए निगरानी की जाती है।
- STRs (Suspicious Transaction Reports) बिना निवेशक को सूचित किए भी दर्ज किए जा सकते हैं।
- SEBI निवेशक डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करता है, जो AML/CFT ढांचे के अंतर्गत आती है।

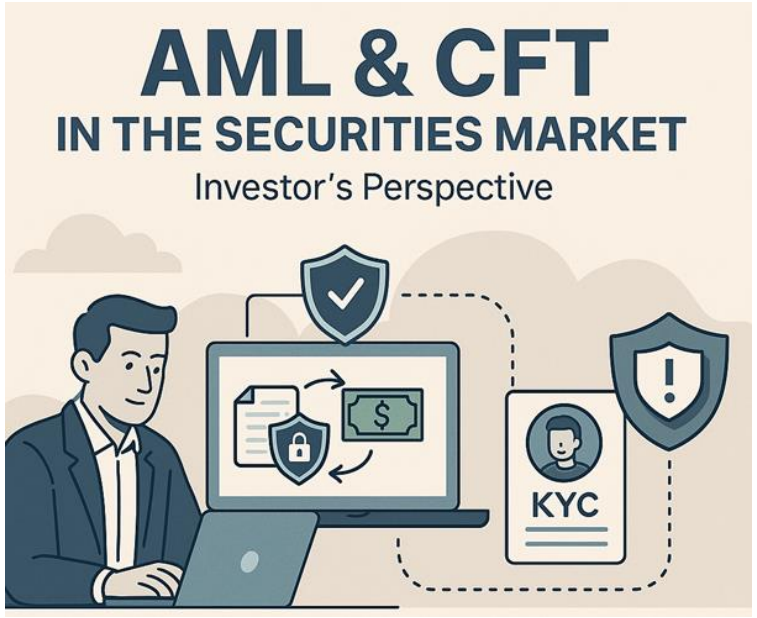

Non-Confidential

ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म्स

- निवेशकों को अब ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से विभिन्न फिक्स्ड-इनकम इंस्ट्रूमेंट्स तक आसान पहुंच मिल गई है।
- निवेशकों को इन निवेश साधनों की विशेषताओं, जोखिमों और उनसे जुड़े खर्चों को समझना ज़रूरी है।
- YTM (Yield to Maturity) कोई गारंटीड रिटर्न नहीं होता — यह बाज़ार के ब्याज दरों, तरलता की स्थिति, परिपक्वता अवधि, और जारीकर्ता की क्रेडिट योग्यता के आधार पर बदल सकता है।
- कूपन रेट वह निश्चित वार्षिक ब्याज दर होती है जो जारीकर्ता द्वारा नियमित आय के रूप में दी जाती है।
- यह भुगतान पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते और जारीकर्ता की वित्तीय स्थिति और क्रेडिट विश्वसनीयता पर निर्भर करते हैं।
- बॉन्ड की कीमतें और यील्ड के बीच उलटा संबंध होता है।
- किसी भी ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश करने से पहले, निवेशकों को कुछ अहम बातों पर ध्यान देना चाहिए, जैसे: बॉन्ड की क्रेडिट रेटिंग, समय पर पुनर्भुगतान का रिकॉर्ड, इंस्ट्रूमेंट की तरलता, सेटलमेंट टाइमलाइन, टैक्स से जुड़े प्रभाव
- निवेशकों से सावधानी बरतने और बिना रजिस्टर ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म पर लेन-देन करने से बचने का आग्रह किया जाता है। निवेशकों को लेन-देन करने से पहले OBPPs का रजिस्ट्रेशन स्टेटस वेरिफाई करना चाहिए, और अपने हितों की रक्षा के लिए केवल SEBI-रजिस्टर्ड संस्थाओं के साथ ही डील करनी चाहिए।

यह भी सुनिश्चित करें कि आप जिस प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं वह SEBI-**पंजीकृत ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रोवाइडर** (OBPP**) है।**

- SEBI वेबसाइट - https://www.sebi.gov.in/online-bond-platform-providers.html

Non-Confidential

ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म्स

- निवेशकों की शिकायतों का समाधान सरल बनाने और सेवा की पहुंच बढ़ाने के लिए,
- कॉमन इन्वेस्टर सर्विस सेंटर्स (CISC) देशभर में शुरू किए गए हैं। अपने नजदीकी CISC की जानकारी के लिए इस लिंक पर जाएं:
- 🔗 https://www.nseindia.com/contact/investor-services-centre

Non-Confidential

NSE

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India

National Institute of Securities Markets
A Capacity Building Initiative of SEBI

SEBI- Investor Awareness Test

Available in Hindi and English languages

FREE
(Study Material and No Exam Fee)

Exam Objectives:

- To create Investor awareness and education in securities markets
- To scale up securities market related knowledge among the investing public
- To develop right attitude/behavior when investing in the market

SCAN FOR REGISTRATION

+91 8080806476 certification@nism.ac.in

Non-Confidential

Saa₹thi App

हर निवेशक की ताकत
Har Investor Ki Taaqat

UNLOCK THE **WEALTH** OF **KNOWLEDGE** WITH **Saa₹thi App**

- User-friendly interface with comprehensive tools aimed at simplifying complex financial concepts.
- Resources and Educational Videos designed to increase investor awareness.
- Unbiased, Objective and Trusted Source of Investment Awareness
- Reliable and essential insights into the securities market.
- Vital for young investors, who are at the beginning of their financial journey
- Access a range of Financial Tools and Calculators,
- Do your Financial Health Check-up,

Empower yourself in the world of investing

Saa₹thi
Investor Education

Download on the App Store

GET IT ON Google Play

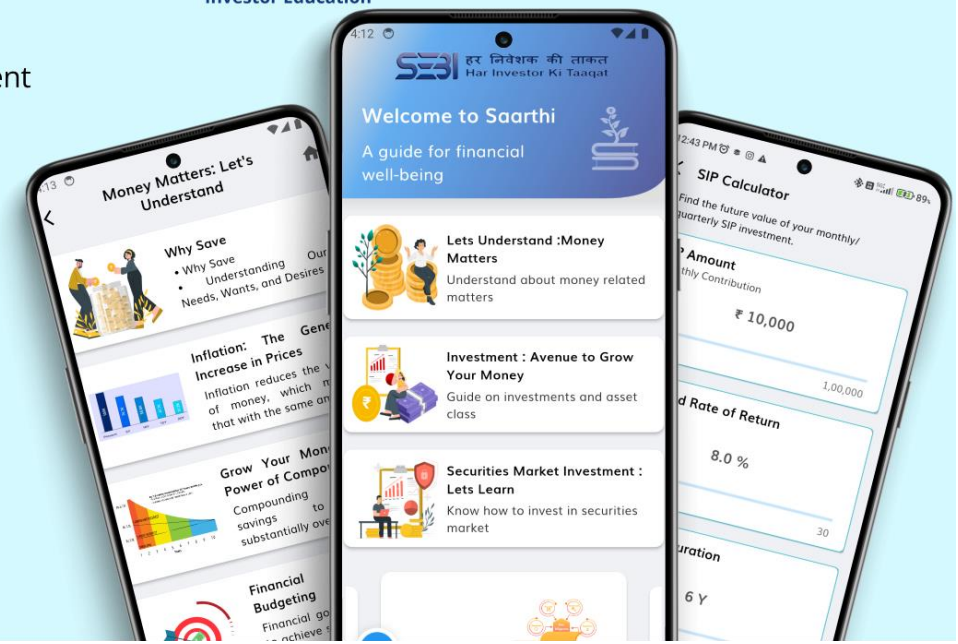

Non-Confidential

SCORES २.० – ऑनलाइन शिकायत निवारण सुविधा मंच

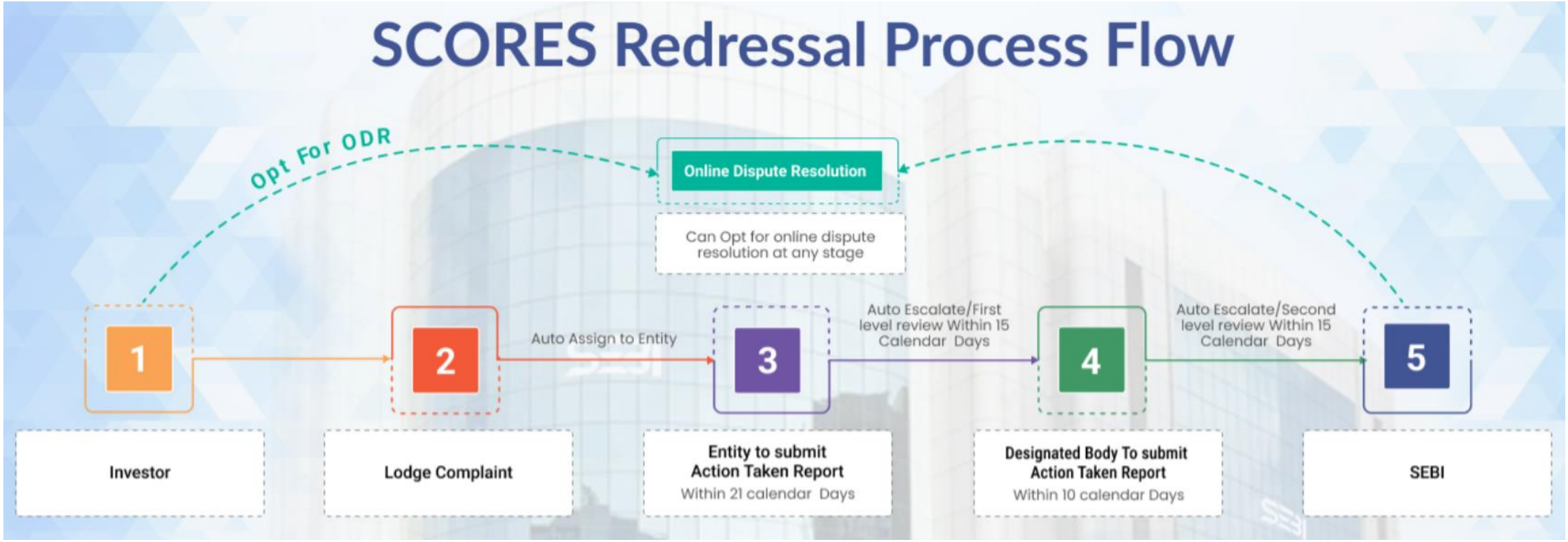

Non-Confidential

निवेश के लिए तैयार हैं?

यहाँ कुछ कैलकुलेटर दिए गए हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं:
🔗 https://investor.sebi.gov.in/calculators/index.html

- SIP कैलकुलेटर
- गोल SIP कैलकुलेटर
- महंगाई (Inflation) कैलकुलेटर
- लम्पसम निवेश कैलकुलेटर
- रिटायरमेंट योजना कैलकुलेटर
- स्टेप-अप SIP कैलकुलेटर

Non-Confidential

INVESTOR AWARENESS SERIES

INVESTING DEMYSTIFIED SERIES

PARSI CAFÉ SERIES

FATHER & SON SERIES

PODCAST – SHASHAKT NIVESHAK

MONEY MINDED MALINI

Non-Confidential

हम इन प्लेटफ़ॉर्म्स पर भी मौजूद हैं

NSE India

@nseindia

NSE India

@NSEIndia

NSE India

अपने पसंदीदा सोशल मीडिया चैनल पर हमें फ़ॉलो करें
ताकि आप वित्तीय और पूंजी बाज़ार से जुड़ी महत्वपूर्ण
जानकारियों से जुड़े रहें।

पूंजी बाज़ार पर नियमित अपडेट पाने के लिए
हमारे YouTube चैनल को सब्सक्राइब करें।

Non-Confidential

NSE

NSE Investor Awareness Program

Non-Confidential